an>

Title: The Minister laid a statement regarding damages caused due to hailstorm in some parts of the country.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Panel Chairman Sir, in the morning, there was a mention about hailstorm and untimely rains in the northern parts of India. It will take time to collect all the details. The hon. Agriculture Minister has come to the House now. He will just briefly inform us about the position.

कृषि और किसान कल्याण मंत्री (श्री राधा मोहन सिंह) : महोदय, मौसम विभाग ने 8 मार्च, 2016 को पूर्वानुमान किया था कि एक सघन पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम एवं मध्य भारत को प्रभावित करेगा। उसके बाद 9 मार्च को एक प्रैस विज्ञप्ति भी जारी की गई थी जिसमें उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में वर्षा, तेज हवा और ओला वृष्टि का पूर्वानुमान किया गया था। उसकी अवधि 11 से 13 मार्च तक बताई गई थी। मध्य एवं मध्य के साथ पूर्व भारत की अवधि 12 से 14 मार्च बताई गई थी। उस विक्षोभ के कारण क्षेत्रीय मौसम कार्यालय के द्वारा सूचना आई कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में तेज वर्षा और तेज हवा के साथ कहीं-कहीं ओला वृष्टि भी हुई है। क्षेत्र कितना प्रभावित हुआ, यह मौसम विभाग के दायरे में नहीं आता। वह इसकी जानकारी नहीं दे सकता। लेकिन जब आज सुबह यहां बात आई, उसके बाद वैंकैय्या जी ने मुझे बताया। कल मैं भी उत्तर प्रदेश में था। संबंधित सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों या अधिकारियों, मेरी चार राज्यों के कृषि मंत्रियों से बात हुई है, बाकी जगह अधिकारियों से बात हुई है। मध्य प्रदेश ने बताया कि 264 गांवों में ओले गिरने से नुकसान हुआ है।...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना) : कल रात और हुआ।...(व्यवधान)

श्री राधा मोहन सिंह : रात वाला छोड़कर बताया होगा, मुझे नहीं पता। आज बताया कि 264 गांवों में ओले गिरने से नुकसान हुआ है। लेकिन इतना बड़ा राज्य होता है तो स्वाभाविक है कि एक-आध दिन का समय लगेगा। एरिया की जानकारी के बारे में बताया गया है कि तीन-चार दिन के बाद बता पाएंगे। इसी तरह हमारी बात राजस्थान के कृषि मंत्री से हुई। पंजाब के कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री इन लोगों ने बताया कि तीन-चार दिन में हम रिपोर्ट देंगे। जहां तक दिल्ली सरकार का सवाल है ज्यादा समाचार दिल्ली में देखने को मिला है। एनडीआरएफ के अंदर यूनियन टेरिटरी को कभी भी सहायता नहीं दी गई है, एनडीआरएफ में यूनियन टेरिटरी नहीं आता था। आज तक किसी भी राज्य को राष्ट्रीय आपदा कोष से कोई सहायता नहीं गई थी। हम गृह मंत्री जी और प्रधानमंत्री जी को बधाई देंगे कि इन्होंने यूनियन टेरिटरी के आपदा कोष की स्थापना कर दी। हमारी गृह मंत्री जी से बात हुई है और हमने सारे नार्म्स भी भेजे हैं दिल्ली के अंदर जो नुकसान हुआ है उसका विवरण और ज्ञापन दें। यहां कि सरकार को भी भारत सरकार मदद करेगी। हम प्रतीक्षा में हैं और लगातार संपर्क में हैं कि राज्यों से विवरण आ जाए कि किस इलाके में कितना नुकसान हुआ है। हमारी टीम तैयार बैठी है ज्योंही हमें विवरण मिलेगा, तुरंत हमारी टीम जाएगी और जो भी राज्यों को सहायता चाहिए वह उपलब्ध कराई जाएगी।

इसी में आगे लिखा है कि [illegible] 89 [illegible] 15-20 [illegible] 23 [illegible] 57,061 [illegible] 20,000 [illegible] स्मरण होगा कि 2009-2010 में भी पूरे देश में और यूपी में बहुत सूखा हुआ था। उस समय आपने 12,000 करोड़ रुपया मांगा था और 515 करोड़ रुपए मिले थे। हम आए हैं तो नार्म्स बदले हैं। 7,500 करोड़ रुपए मांगे थे और हमने 2,800 करोड़ रुपया दिया। आप देखिए कि कितना अंतर है। 2015-2016 में आपने 2,057 करोड़ रुपए मांगे थे हमने 1,300 करोड़ रुपए दिए हैं। कितना बड़ा अंतर है, 12,000 करोड़ रुपए में सिर्फ 500 करोड़ रुपए यानी इस तरह से नॉर्म्स बदले हैं, ज्यादा सहायता की है।

तीसरी बात है, आपकी सरकार ने 12,000 करोड़ रुपए का बजट बनाया है, अच्छी बात है। लेकिन हम 60 प्रतिशत शेयर देते हैं। स्वाभाविक है कि सभी राज्यों का मिला दें और यदि सभी राज्य पैसा मिलाते हैं तो भी पैसा कहां से जाता है, या तो राज्य के रिसोर्सिस से होंगे या नहीं होंगे। मैं आपके ध्यान में एक बात लाकर अपनी बात समाप्त करूंगा कि केंद्रीय करों में जो हिस्सेदारी होती है, उसके बारे में वित्त मंत्री जी अच्छी तरह बताएंगे। केंद्रीय करों में 2013-2014 में आपके राज्य को 63,000 करोड़ रुपया मिला था। इस वर्ष 99,165 करोड़ रुपया मिला है, यह पैसा इसी काम के लिए है। राज्यों को अंशदान देने में भारी बढ़ोतरी हुई है।

श्री धर्मेन्द्र यादव : माननीय सभापति जी, मैं कुछ बोलना चाहता हूं।

HON. CHAIRPERSON: No.

Only Shri Chandulal Sahu's speech will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

20.04 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, March 15, 2016/Phalguna 25, 1937 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्श्द अ ड्ढद्वत्ड्ढड्ड ड्डडद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दड्ढड्ढ द्दढ ड्ढ ग्ड्ढश्ड्ड्ढद्ध त्दड्डत्हड्ढय्ड्ढद्म् ण्ड्ढद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्त्द्दद ड्ढद्म् ड्डहय्द्वड्ढथ्न् ड्डत्ड्ढड्ड द्दद ण्ड्ढ ढथ्द्दद्ध द्दढ ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ डन्न् ण्ड्ढद्य् ग्ड्ढश्ड्ड्ढद्ध.

* ग्द्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.

* Edथ्त्द्रर्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्ढथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

* Edथ्त्द्रर्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्ढथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

* Edथ्त्म्र्ण् य्द्बड्दथ्ड्थ्य्त्दद दृढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् दृद्धश्त्दड्ढथ्न्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

* र्द्धड्ढड्ढथ्ड्ढड्ड ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहदद्धड्डड्ढड्ड.

.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहदद्धड्डड्ढड्ड.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहदद्धड्डड्ढड्ड.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* .... (Edथ्त्म्र्ण् य्द्बड्दथ्ड्थ्य्त्दद दृढ य्ण्त्म् द्रड्ढद्दय् दृढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् दृद्धश्त्दड्ढथ्न्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

.

* .... (Edथ्त्म्र्ण् य्द्बड्दथ्ड्थ्य्त्दद दृढ य्ण्त्म् द्रड्ढद्दय् दृढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् दृद्धश्त्दड्ढथ्न्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहदद्धड्डड्ढड्ड.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड दृद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्ढथ्न्न् ड्डड्ढथ्त्थ्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढंथ्द्वद्र्व.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्ढथ्न्न् ड्डड्ढथ्त्थ्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* ग्द्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.

* ग्द्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.

* घ्द्वडथ्थ्ण्ड्ढड्ड त्द ण्ड्ढ ख्ड्ढन्ड्ढय्ड्ढ द्दढ ख्द्दड्डत्ड्ड, Eय्द्धड्ढद्दद्धड्डत्दड्ढद्धन्न्, घ्ड्ढद्धद्य्-ख्, च्ड्ढहय्त्द्दद-2 ड्डड्ढय्ड्ढड्ड 14.03.2016.

।। ख्दय्द्धद्दड्डद्व्वहड्ढड्ड द्र्य्ण् ण्ड्ढ द्धड्ढहद्दड्र्ढदड्डड्ढय्न्द्दद द्दढ ण्ड्ढ घ्द्धड्ढत्ड्डड्ढदद्य्.

* घ्द्वडथ्द्भण्ड्ढड्ड त्द ण्ड्ढ ख्ड्डन्ड्ढय्ड्ढ द्दढ ख्द्दड्डत्ड्ड, E य्द्धड्डद्दद्धड्डत्दड्डद्धन्न्, घ्ड्डद्धद्य्-ख्न्, च्ड्ढहय्न्द्दद-2, ड्डड्डय्ड्ढड्ड 14.03.2016.

।। ख्दय्द्धद्दड्डद्व्वहड्ढड्ड द्र्य्ण् ण्ड्ढ द्धड्ढहद्दड्र्ढदड्डड्ढय्न्द्दद द्दढ ण्ड्ढ घ्द्धड्ढत्ड्डड्ढदद्य्.

* ग़्द्दय् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.